

त्र्यक्षरक पुं. (तत्.) 1. तीन अक्षरों वाला 2. तीन अक्षरों का यंत्र।

त्र्यध्वगा स्त्री. (तत्.) गंगा।

त्र्यमृतयोग पुं. (तत्.) ऐसा योग जो कुछ विशिष्ट दिनों, तिथियों, नक्षत्रों और वारों के संयोग से होता है।

त्र्यवरा स्त्री. (तत्.) तीन सदस्यों की शासक सभा।

त्र्यशीत वि. (तत्.) तिरासीवाँ।

त्र्यशीति वि. (तत्.) तिरासी।

त्र्यस्र पुं. (तत्.) त्रिकोण।

त्र्यहैहिक पुं. (तत्.) ऐसा गृहस्थ जिसके घर में तीन दिन तक निर्वाह करने की सामग्री हो।

त्र्यार्षेय पुं. (तत्.) 1. तीन प्रवरों वाला गोत्र 2. अंधा, बधिर और मूक (यज्ञ में इसका प्रवेश निषिद्ध है)।

त्र्याहिक वि. (तत्.) तीन दिनों में होने वाला।

त्र्युषण पुं. (तत्.) दे. त्र्यूषण।

त्र्यूषण पुं. (तत्.) 1. सोठ, पीपल और मिर्च का चूर्ण 2. वैद्यक में एक प्रकार का घृत जो त्रिकुटा के मेल से बनाया जाता है।

त्र्योदशी स्त्री. (देश.) दे. त्रयोदशी।

त्वक पु. (तत्.) 1. छिलका, छाल 2. चमड़ी, त्वचा, खाल।

त्वड्मय वि. (तत्.) चमड़े या छाल का बना हुआ।

त्वच पु. (तत्.) 1. दालचीनी 2. तेजपत्ता, तेजपात 3. छाल।

त्वचकना अ.क्रि. पिचकना, भीतर की ओर घँसना।

त्वचा स्त्री. (तत्.) चर्म, चमड़ा।

त्वचिसार पु. (तत्.) बाँस।

त्वदीय सर्व. (तत्.) तुम्हारा।

त्वरण पु. (तत्.) दे. त्वरा।

त्वरणीय वि. (तत्.) शीघ्रतापूर्वक करने योग्य।

त्वरा स्त्री. (तत्.) जल्दी, शीघ्रता।

त्वरारोह पु. (तत्.) कबूतर।

त्वरावान वि. (तद्.) 1. शीघ्रगामी 2. फुर्तीला 3. काम को जल्दी करने वाला।

त्वरि स्त्री. (तत्.) दे. त्वरा।

त्वरित वि. (तत्.) तेज।

त्वरितक पु. (तत्.) एक प्रकार का चावल जिसे तूर्णक कहते हैं।

त्वरितगति स्त्री. (तत्.) एक वर्णवृत्त का नाम इसे अमृतगति भी कहते हैं।

त्वरिता स्त्री. (तत्.) तंत्र में एक देवी का नाम।

त्वलग पु. (तत्.) पानी का साँप।

त्वष्टा पु. (तद्.) 1. विश्वकर्मा 2. महादेव 3. बड़ई 4. ग्यारहवें आदित्य 5. एक देवता जो मनुष्यों और पशुओं के शरीर का निर्माण करते हैं 6. चित्रा नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता का नाम।

त्वष्टि स्त्री. (तत्.) मनु स्मृति के अनुसार एक संकर जाति।

त्वष्ट्रा पु. (तत्.) 1. विश्वकर्मा का बनाया हुआ अस्त्र, वज्र 2. चित्रा नक्षत्र।

त्वाच वि. (तत्.) त्वचा संबंधी।

त्वाष्टी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

त्वाष्ट्री स्त्री. (तत्.) विश्वकर्मा की कन्या का नाम।

त्विट्पति पु. (तत्.) सूर्य।

त्विष् स्त्री. (तत्.) 1. तीव्रता 2. प्रचंडता 3. घबराहट, परेशानी 4. सौंदर्य, सुंदरता।

त्विषि स्त्री. (तत्.) 1. किरण, दीप्ति 2. प्रकाशित।

त्विसा स्त्री. (तत्.) प्रभा, सौंदर्य, दीप्ति।

त्वेष वि. (तत्.) तेजस्वी, आभामय।

त्वेष्य वि. (तत्.) डरावना, भयावना।

त्विपति पुं. (तत्.) सूर्य।

त्विषामीश पु. (तत्.) 1. सूर्य 2. आक का पेड़।

त्सरु पु. (तत्.) 1. तलवार की मूठ 2. साँप।

त्सारुक पु. (तत्.) तलवार चलाने में निपुण।